होरा- १८०

पूर्णाङ्क-१००, उत्तीर्णाङ्क-३६

वेद /कर्मकाण्ड /अर्चक

वार्षिक डिप्लोमा पाठ्यक्रम

प्रथम खण्ड

विषय	पाठ्यांश	कालांश
पवित्रीकरण,आचमन,पवित्रीधारण, तिलकधारण, शिखाबन्धन, यज्ञोपवीत पूजन, धारण एवं विसर्जन विधि, प्राणायाम, स्वस्तिवाचन, सङ्कल्प, कर्मपात्र निर्माण विधि, दीपस्थापन पूजन	पवित्र होने की विधि, तथा मन्त्र,आचमन के नियम तथा मन्त्र, पवित्री निर्माण विधि, पवित्री के प्रकार, पवित्रीधारण के महत्व तथा मन्त्र, तिलक के प्रकार, तिलकधारण के महत्व तथा मन्त्र, शिखा केप्रकार, शिखाबन्धन के महत्व तथा मन्त्र, प्राणायाम के प्रकार, प्राणायाम के महत्व तथा मन्त्र, स्वस्तिवाचन (वैदिक एवं लौकिक) का तात्पर्य तथा मन्त्र, सङ्कल्प का उद्देश्य तथा विधि, कर्मपात्र निर्माण की आवश्यता, दीपक का महत्व एवं पूजन विधान	२
षोडशोपचार पूजन	ध्यान, आवाहन, आसन, पाद्य, अर्घ्य, स्नान, वस्त्रोपवस्त्र, यज्ञोपवीत, गन्ध, अक्षत, पुष्प, दूर्वा, बिल्वपत्र, नानापरिमल, सिन्दूर, इत्र धूप, दीप, नैवेद्य, उद्वर्तन, ऋतुफल, ताम्बूल, दक्षिणा, आरती, मन्त्रपुष्पाञ्जलि, विशेषार्घ्य, प्रार्थना	२
संकटनाशन स्तोत्र, गणेशाथर्वशीर्ष, श्रीसूक्त, गणपति स्तोत्र, कलश पूजन,	स्तोत्रों का उच्चारण तथा उनका माहात्म्य, कलश का महत्व, स्वरूप तथा षोडशोपचार पूजन विधान, पुण्याहवाचन की आवश्यकता तथा विधान	२

पुण्याहवाचन		
ऋगादि चतुर्वेद संहिताओं के स्वर एवं उच्चारण विधि तथा ऋग्वेद एवं यजुर्वेदीय ब्राह्मण ग्रन्थों का परिचय एवं वर्ण्य विषय सामवेद एवं अथर्ववेदीय ब्राह्मण ग्रन्थों का परिचय एवं वर्ण्य विषय	ऋग्वेद, शुक्लयजुर्वेद, कृष्णयजुर्वेद, सामवेद तथा अथर्ववेद का परिचय तथा उनके मन्त्रों के स्वरोच्चारण का विधान तथा ऋग्वेद, शुक्लयजुर्वेद, कृष्णयजुर्वेद, सामवेदीय तथा अथर्ववेदीय ब्राह्मण ग्रन्थों के नाम तथा विषय वस्तु का प्रतिपादन	३
रुद्राष्टाध्यायी- प्रथम, द्वितीय अध्याय तथा दुर्गासप्तशती कवच, अर्गला तथा कीलक, शिवमानस पूजन, द्वादश ज्यातिर्लिंग, रुद्राष्टकम् तथा शिवपञ्चाक्षर स्तोत्र	रुद्राष्टाध्यायी के प्रथम तथा द्वितीय अध्याय का शुद्ध उच्चारण के साथ कण्ठस्थीकरण तथा दुर्गासप्तशती के कवच, अर्गला तथा कीलक स्तोत्रों का शुद्ध उच्चारण के साथ पाठाभ्यास तथा उसके भावार्थ का ज्ञान, स्तोत्रों का उच्चारण, कण्ठस्थीकरण तथा उनका माहात्म्य	३
षोडशमातृका, सप्तघृतमातृका पूजन, आयुष्यमन्त्रजप, नान्दीश्राद्ध, आचार्यादिवरण तथा रक्षाविधान	षोडशमातृकाओं के नाम तथा पूजन विधि, सप्तघृतमातृकाओं के नाम तथा पूजन विधि, आयुष्यमन्त्रों का पाठ, नान्दीश्राद्ध विधि, आचार्यादि वरण विधि तथा रक्षा विधान विधि	२
रुद्राष्टाध्यायी तथा दुर्गासप्तशती	रुद्राष्टाध्यायी के तृतीय, चतुर्थ अध्याय तथा दुर्गासप्तशती के न्यास जप विधि सहित प्रथम चरित्र के पाठ का अभ्यास तथा भावार्थ ज्ञान	२
वेदाङ्ग परिचय	शिक्षा, व्याकरण, ज्योतिष, निरुक्त, छन्द तथा कल्प वेदाङ्गों का परिचय	४
कुशकण्डिका, अरणिमन्थन विधि, पंचभूसंस्कार,नवग्रह मण्डल रचना तथा नवग्रह मण्डल पूजन	कुशकण्डिका प्रयोग, अरणिमन्थन प्रयोग, पञ्चभूसंस्कार विधि, नवग्रह मण्डल निर्माण विधि, नवग्रह मण्डल में अधिदेवता, प्रत्यधिदेवता, पंचलोकपाल तथा दशदिक्पालों सहित ग्रहों का आवाहन स्थापन तथा पूजन विधि	३
रुद्राष्टाध्यायी तथा दुर्गासप्तशती	रुद्राष्टाध्यायी के पञ्चम, षष्ठ, सप्तम अध्याय तथा दुर्गासप्तशती के मध्यम चरित्र तथा उत्तम चरित्र के पञ्चम, षष्ठ अध्याय के पाठ का अभ्यास	४

सत्यनारायण व्रतकथा विधि, दीपावली पूजन तथा सामान्य पञ्चाङ्ग ज्ञान	सत्यनारायण व्रतकथा तथा हवन पूजन विधि, दीपावली पूजन विधि, तिथि वार, नक्षत्र योग, करण सहित सामान्य मुहूर्तों का ज्ञान	४
वेद काल निर्णय तथा व्याख्यान पद्धति	वेदों के काल का निर्णय तथा उनकी व्याख्या विधि	१
रुद्राष्टाध्यायी	अष्टम अध्याय से न्यासविधि सहित सम्पूर्ण अवशिष्ट भाग	२
दुर्गासप्तशती	अष्टम, नवम तथा दशम अध्याय के पाठ का अभ्यास	३
चतुर्थीव्रतकथा विधि	चतुर्थीव्रत का पूजन विधान, कथा, उसका माहात्म्य तथा उद्यापन विधान	१
पूर्णिमा व्रतकथा एवं पूजन विधान	पूर्णिमा व्रत का पूजा विधान, कथा, उद्यापन विधान तथा उसका माहात्म्य	१
एकादशी व्रतकथा तथापूजन विधान	एकादशी व्रत पूजा विधान, कथा, महात्म्य तथा उद्यापन विधि	२
प्रातिशाख्य ग्रन्थों का परिचय	ऋग्वेद यजुर्वेद, सामवेद तथा अथर्ववेद के प्रातिशाख्य ग्रन्थों का परिचय तथा विषय वस्तू का प्रतिपादन	२
विविध सूक्तों का परिचय	वेदों के विविध सूक्त, आख्यायिकाएँ तथा संवादों का प्रतिपादन	२

द्वितीय खण्ड

विषय	पाठ्यांश	कालांश
दुर्गासप्तशती	एकादश, द्वादश, त्रयोदश अध्याय तथा रहस्यत्रय सहित अवशिष्ट सम्पूर्ण भाग	५
गृहप्रवेशविधि	गृहप्रवेश के निमित्त देवताओं का आवाहन, पूजन गृहवास्तु की स्थापना तथा गृहप्रवेश की सम्पूर्ण विधि	२
उपनयनसंस्कारविधि	उपनयनसंस्कार के निमित्त देवताओं के आवाहन का विधान, ब्रह्मचारी कृत्य, नियम, जनेऊ पूजन, धारण मेखला, दण्ड, अजिन आदि धारण के विधान, समावर्तन विधान तथा स्नातक नियमों का गृह्यसूत्रोक्त विधि से प्रतिपादन	२
पार्वण तथा एकोद्दिष्टश्राद्धविधि	पार्वण तथा एकोद्दिष्ट श्राद्ध के विविध शास्त्रीय तथा लोकाचार पक्षों का विचार तथा श्राद्ध की सम्पूर्ण विधि	२
तर्पण विधि	पितृपक्ष तथा अन्य समयों में किये जाने वाले तर्पण का विधान	१
त्रिपिण्डीश्राद्धविधि	त्रिपिण्डी श्राद्ध में सात्विक, राजसिक तथा तामसिक पितरों के पूजन विधान सहित पिण्डप्रदान तथा तर्पण विधान	२
अनन्तचतुर्दशीव्रतकथा	अनन्तचतुर्दशी व्रत कथा, माहात्म्य तथा उद्यापन विधान	१
हरितालिकाव्रतकथा	हरितालिका व्रत कथा, पूजन, माहात्म्य तथा उद्यापन विधान	१
शिलान्यासविधि	भवन, देवालय तथा नगर निर्माण इष्टिका पूजन सहित सम्पूर्ण शिलान्यास विधि	२
समिधादानविधि	नित्य समिधादान का प्रयोग	१
नवरात्रपूजनविधि	नवरात्र में कलशस्थापन सहित पूजन तथा पाठ का विधान	३

अग्निवास, शिववासविचार	हवन आदि कर्म हेतु अग्निवास देखने की शास्त्रीय विधि तथा रुद्रानुष्ठान हेतु शिववास का विचार	१
विविधमुहूर्तविचार	विविध कर्मों हेतु मुहूर्त देखने की विधि	२
योगिनीमण्डलनिर्माण एवं पूजन विधि	यज्ञ-यागादि में योगिनीमण्डल के निर्माण, देवताओं के आवाहन, स्थापन तथा पूजन विधान	१
वास्तुमण्डल निर्माण एवं पूजन विधान	यज्ञ-यागादि में वास्तुमण्डल का निर्माण, देवताओं का आवाहन, स्थापन तथा पूजन विधान	१
रामार्चा विधि	वममन्दिर तथा अन्यत्र कहीं भी रामार्चा का प्रकार तथा विधि	२
विविध स्तोत्र पाठ	विविध देवी-देवताओं की स्तुतियाँ तथा स्तोत्र पाठ का अभ्यास	४
विवाह संस्कार	विवाह संस्कार हेतु कन्या के लक्षण, विवाह में मुहूर्त विचार, वर वरण विधि सहित गृह्यसूत्रोक्त विवाह संस्कार की सम्पूर्ण विधि	३
संस्कारों का परिचय	शास्त्रों में वर्णित सभी संस्कारों का परिचय, संस्कारों की विधि तथा मुहूर्त पर विचार	३
गृह्यसूत्रों का परिचय तथा वर्ण्य विषय	ऋग्वेद, यजुर्वेद, सामवेद तथा अथर्ववेद के गृह्यसूत्रों का परिचय तथा विषय वस्तु का प्रतिपादन	५

तृतीय खण्ड

विषय	पाठ्यांश	कालांश
क्षेत्रपाल मण्डल निर्माण तथा पूजन विधि	विविध यज्ञ-यागादि में क्षेत्रपालमण्डल का निर्माण तथा देवताओं का आवाहन व पूजन विधान	२
सर्वतोभद्र मण्डल निर्माण तथा पूजन विधि	विविध यज्ञ-यागादि में सर्वतोभद्रमण्डल के निर्माण की विधि तथा देवताओं का आवाहन व पूजन विधान	३
लिङ्गतोभद्र मण्डल निर्माण तथा पूजन विधि	लिङ्गतोभद्रमण्डल का निर्माण तथा पूजन विधान	२
दुर्गार्चनविधि	दुर्गा जी के अर्चन की विधियों का प्रयोग	२
रुद्र, लघुरुद्र, महारुद्र तथा अतिरुद्रयाग विधि	रुद्र अनुष्ठान के विशेष प्रकारों का शास्त्रोक्त प्रतिपादन	२
नव, शत, सहस्र, लक्ष तथा अयुतचण्डीयाग विधि	चण्डीयाग के विविध प्रकार का प्रतिपादन तथा प्रयोग विधि	२
ललितासहस्रार्चनविधि	ललितासहस्रनाम अथवा अष्टोत्तरशत नाम से अर्चन विधि तथा स्तोत्रपाठ	२
अन्त्येष्टिसंस्कार	संस्कारों में अन्तिम अन्त्येष्टि संस्कार की सम्पूर्ण विधि	२
नारायणबलिविधि	नारायणबलि का विधान तथा आवश्यकता पर विचार	४
महामृत्युञ्जय जपविधि	महामृत्युञ्जय जप विधि, मन्त्र का प्रकार तथा महत्व पर विचार	१
नवग्रहमन्त्रजप विधि	सूर्य आदि नवग्रहों के नाम, जपसंख्या, दान वस्तू आदि पर विचार तथा जपविधि	१

प्राणप्रतिष्ठा विधि	देव-प्रतिष्ठा हेतु देवताओं की स्थपना, पूजन विधि तथाविविध अधिवास, देवता न्यास विधि सहित प्रतिमा के नगर भ्रमण, एवं प्राण प्रतिष्ठा की सम्पूर्ण विधि	५
श्रौतसूत्रों का परिचय	ऋग्वेद, यजुर्वेद, सामवेद तथा अथर्ववेद के श्रौतसूत्रों का परिचय तथा विषय वस्तू का प्रतिपादन	५
नवकुण्ड निर्माण विधि तथा नवकुण्डों की फलश्रुति	यज्ञों में नवकुण्डों के शुल्बसूत्रोक्त निर्माण विधान तथा फलश्रुति का प्रतिपादन	२
वृक्षारोपण का महत्व तथा विधि	विविध प्रकार के वृक्षों के रोपण का माहात्म्य तथा विधि	२
वेदपारायण विधि तथा फलश्रुति	ऋग्वेद, यजुर्वेद, सामवेद तथा अथर्ववेद के पारायण की विधि तथा माहात्म्य	३
वेदभाष्यकारों का परिचय	ऋग्वेद, यजुर्वेद, सामवेद तथा अथर्ववेद के भाष्यकारों का परिचय तथा काल निर्धारण पर विचार	१
वैदिक विज्ञान	ऋग्वेद, यजुर्वेद, सामवेद तथा अथर्ववेद में वर्णित कृषि, औषधि, आयू, शिल्पादि विज्ञान के विविध आयामों का प्रतिपादन	४

चतुर्थ खण्ड

प्रथम पत्र की प्रयोग विधि		१०
द्वितीय पत्र की प्रयोग विधि		०७
तृतीय पत्र की प्रयोग विधि		१३
तृतीय पत्र के अवशिष्ट भाग की प्रयोग विधि		१०
पञ्चाङ्ग ज्ञान	पञ्चाङ्ग अवलोकन की सम्पूर्ण विधि	५

सहायक-ग्रन्थ

1. ग्रहशान्ति- (प्रणेता स्व०पं० वायूनन्दन मिश्र, टीकाकार- पं० विष्णु प्रसाद घिमिरे)
2. रुद्राष्टाध्यायी- गीताप्रेस
3. नित्यकर्मप्रयोगमाला (प्रणेता- चतुर्थीलाल गौड)
4. नित्यकर्म देवपूजा विधि:(व्यास प्रकाशन)
5. गौडीय श्राद्ध प्रकाश (प्रणेता- चतुर्थीलाल गौड)
6. श्राद्धश्रीनिधि: (प्रणेता- प्रो०श्रीकिशोर मिश्र)
7. विधानश्रीनिधि: (प्रणेता- प्रो०श्रीकिशोर मिश्र)
8. पारस्कर गृह्यसूत्रम्
9. संस्कृत साहित्य का बृहद् इतिहास (उत्तर प्रदेश संस्कृत संस्थान, लखनऊ)
10. बृहदवकहडाचक्रम्
11. मुहूर्तचिन्तामणि:
12. यज्ञ-मीमांसा (पं०वेणीराम गौड)
13. दुर्गार्चन पद्धति
14. अन्त्यकर्म श्राद्ध प्रकाश (पं० जोषणराम पाण्डेय)
15. पञ्चाङ्ग
16. स्तोत्ररत्नावली
17. श्रीप्रभु-विद्या-प्रतिष्ठार्णव: (पं०दौलतराम गौड)